



KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES



BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR

गुप्तकालीन राजनीतिक व्यवस्था (Political System of Gupta Period)

→ गुप्तकालीन प्रशासनिक व्यवस्था - राजतन्त्रात्मक

Head: - King (राजा)

→ राजत्व का दिव्य सिद्धांत
(Divine principle of Kingship)

५ समुद्रगुप्त को पृथ्वी पर विवास करने
वाला देवता कहा गया - According to
Prayaga Inscription.

५ चंद्रगुप्त-II की तुलना यम, कुबेर,
इन्द्र, वरुण आदि।

५ उपाधि राजा की देवराज, देवगुप्त, आदि।

* मृच्छकारिका :- शकुन्तल की पुस्तक
(Book of Shudrak)

। गुप्तकालीन प्रशासनिक व्यवस्था
और नगरीय जीवन की जानकारी
मिलती है।

। यह किताब वास्तव में प्रेम-गाथा
है जो कि चारुदत्त नामक ब्राह्मण और
वसन्तसेना (गणिका की पुत्री) की कहानी है।

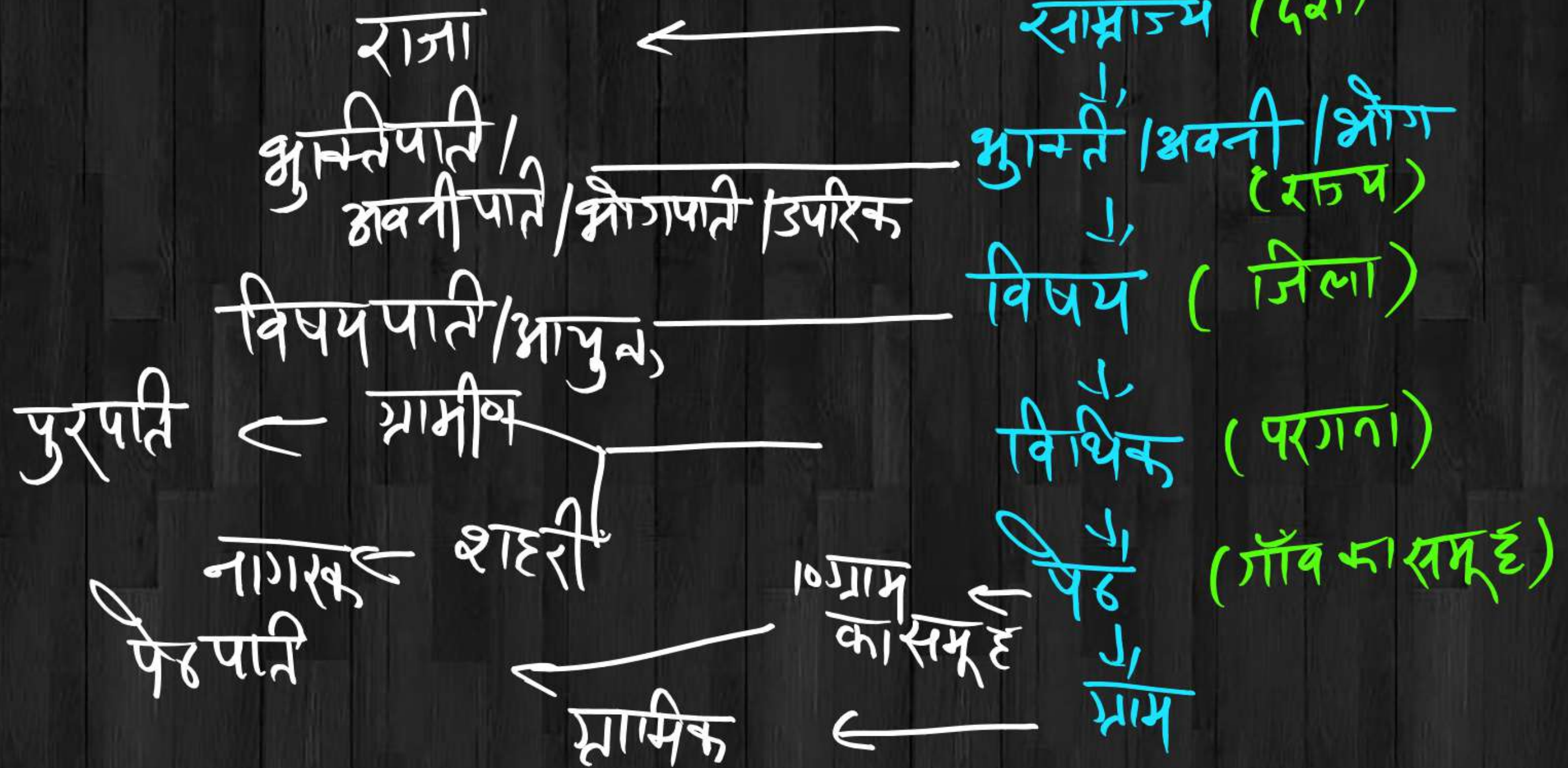
५ राजा की सहायता के लिए -
(for the help of King)

राजसभा (Raj Sabha)
। प्रजाप्रशक्ति में
"सर्वेय" कहा गया।

* प्रशासनिक व्यवस्था :- केन्द्रीयकृत
प्रमुख-राजा

Administrative Unit (प्रशासनिक इकाई)

Unit of Gupta Time.



प्रमुख कै-ड्रीय पदाधिकारी :-

x महादण्ड नायक
(Mahadandanayaka)

* महापिलुपति
(Mahapilupati)

→ Chief of Elephant Army.

→ महाश्वपति
(Mahashvapati)

→ Chief " Horse "

* संधिविग्रहक
(Sandhivigrahaka)

युद्ध और शांति का मंत्री
(Minister of War & Peace)

* विनयास्वित्तिस्थापक :-
(Vinayasthithisthapaka)

धार्मिक मामलों का
प्रमुख
(Head of Religious Matter)

* दण्डपासिक :-
(Dandapasika)

पुलिस विभाग का प्रमुख

* चार और भार :- पुलिस

गुप्त काल का सामाजिक जीवन (Social Life of Gupta Empire)

→ Male based Society (पुरुष प्रधान समाज) →
पितृसत्तात्मक

→ Varna System: — Yes
(वर्ण व्यवस्था)

→ Female condition: — वैदिक काल की तुलना
में काफी खराब

→ Sati System : - Yes

1st written evidence : - Erav

Inscription, Sagar (M.P.)
(रण अभिलेख सागर मण्डप)

1 जैपराज की पत्नी के
1 सती होने का उल्लेख
1 भानुगुप्त - राजा

→ Child Marriage : - Yes

→ Widow remarriage : - Yes (लेकिन अनेक शर्तें)

→ Polygamy (बहुविवाह) : - Yes

→ प्रादुर्भाव और कुलीन वर्ग (ज्योतिषी) संस्कृत भाषा
बोलते थे जबकि स्त्री और ब्रह्म प्राकृत भाषा
बोलते थे।

→ अंतरजातीय विवाह :- ये

→ अस्पृश्यता :- ये

→ आभूषण → महिला एवं पुरुष दोनों
पहनते थे।

→ मनोरंजन :- अंतरंग का खेल
5 स्त्री
5 आदि।

गुटत कालीन अर्थव्यवस्था:

- ५ कृषि आधारित
- ५ पशुपालन, व्यापार, आदि।

* कृषि! - गेहूँ (Wheat) ✓
(Agriculture) ५ जौ (Barley)
५ चावल (Rice)

* सिंचाई (Irrigation): - वर्षा पर आधारित
१. नालाब की खुदाई
२. जूनागढ़ अभिलेख

* जमीन (Land): -

१. फाहियान और ह्वेनसांग ने खारी सम्पत्ति
राजा की मानी।
२. खेतीबाग
३. मनुस्मृति में कहा गया कि जमीन प्राप्त करने
वाले का अधिकार होना चाहिए।

↳ गौलमिक (Gaulamik) :- जंगल का प्रमुख

* जमीन के प्रकार :-

मौसम काल
में सीता
उपजाऊ भूमि

- ↳ अर्द्ध-खिल - जिसमें एक वर्ष से खेती न की जाती है।
- ↳ खिल - जिसमें 3 वर्षों से खेती न की जाती है।
- ↳ वन - जिसमें 5 वर्षों से खेती न की जाती है।
- ↳ क्षेत्र - खेती योग्य भूमि
- ↳ सिल - जो भूमि जोती नहीं जाती थी।

५ आपदा:- विवादित भूमि जैसे किसी को न दिया
जाया हो।

* अमरकोश में 12 प्रकार के भूमि की चर्चा की गयी।

* नदीमातृक (Nadi Matraka) → जिसमें सिन्धु नदी के
द्वारा हो

* देवमातृक (Devamatra) → जिसमें सिन्धु वर्षा
द्वारा हो